सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 29 जनवरी, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह दिसंबर, 2023 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को माह दिसंबर, 2023 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)
निदेशक (पीएमआई)
दूरभाष: 011-23389839

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को इसे उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषयः माह दिसंबर, 2023 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादनः

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	28.27	237.08
डीएपी	3.70	34.21
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.56	4.66
मिश्रित उर्वरक	9.33	73.85
सिंगल सुपर फॉस्फेट	2.58	35.58

स्रोत: dbtfert.nic.in 08.01.2024 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्रीः

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	39.59	103.91	42.39
डीएपी	8.37	22.03	8.27
एमओपी	1.96	8.35	1.67
एनपीके	10.55	43.85	10.66

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौराः

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	13.06
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	1.20
डीएपी	4.49
एनपीके	0.99

4. दिसंबर 2023 के दौरान तलचर उर्वरक परियोजनाओं की वृद्धिशील प्रगति।

(क) <u>तलचर इकाई का पुनरुद्धार</u>

भारत सरकार ने ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तलचर इकाई के पुनरुद्धार को अधिदेशित किया है। तदनुसार, 12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला **गैसीकरण-आधारित** (भारत में पहली बार) अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है। इस संयंत्र की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 फरवरी, 2019 को रखी गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है। टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति इस प्रकार है:-

क) नवंबर, 2023 तक परियोजना की समग्र प्रगति : 52.76%

ख) दिसंबर, 2023 के दौरान वृद्धिशील प्रगति : 1.54%

ग) दिसंबर, 2023 तक समग्र प्रगति : 54.30%

जुलाई 2023 से सचिव, उर्वरक विभाग द्वारा इस परियोजना की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है।

2. माह दिसंबर, 2023 के दौरान प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं: -

i. **<u>विनिर्माण संबंधी गतिविधियां</u>:**

क. एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू) में एयर कूलिंग और वाटर-कूलिंग कॉलम के आधार का कार्य पूरा हुआ।

ख. एयर सेपरेशन यूनिट की साइट पर सभी चार मालीक्यूलर सीव एब्सार्बर लगाए गए।

ग. 5 अमोनिया संयंत्र कूलिंग टॉवर में से 2 को लगाने का कार्य पूरा हो गया है।

घ. प्रिलिंग टॉवर क्षेत्र में पिलिंग कार्य और आधार का काम पूरा हो गया है। 30 मीटर तक प्रिलिंग टॉवर को लगाने का कार्य पूरा हो गया है।

ii. **<u>मानव संसाधन संबंधी कार्य :</u>**

क. नए भर्ती किए गए 29 अभ्यर्थियों (सुरक्षा, मानव संसाधन, विधिक, सी एंड पी, वित्त, आईटी, सिविल, उपकरण और रसायन) को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

ख. साक्षात्कार संबंधी पांचवा चरण चल रहा है।

iii. **<u>विविध कार्यकलाप :</u>**

क. ब्राह्मणी नदी से 13 किमी पाइपलाइन बिछाने के प्रस्तावित कार्य में से 4 किमी लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। साइट पर अतिरिक्त 1 किमी पाइप उपलब्ध हैं। 8 किमी पाइपलाइन के शेष कार्य के लिए मैसर्स जीएल गोल्डन, गुरुग्राम को दिनांक 13.12.23 को कार्य सौंपा गया। कंट्रैक्टर के साथ संयुक्त स्थल सर्वेक्षण 05.01.2024 को करने की योजना है। शेष पाइपलाइन पीओ 10.01.2024 तक बिछा दी जाएगी।

ख. दो महत्वपूर्ण ओएसबीएल पैकेज, यार्ड पाइपिंग कार्य और अपरिष्कृत जल की आपूर्ति व्यवस्था 13.12.2023 को प्रदान की गई।

ग. कोयला/पेट कोक और लाइम हैंडलिंग सिस्टम के लिए मूल्य बोली 5.12.2023 को खोली गई।

घ. एनजी स्किड पैकेज के निष्पादन के लिए 15.12.2023 को मैसर्स गेल के साथ गैस बिक्री करार किया गया।

समीक्षाओं के बाद निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप, परियोजना का आधार कोयला गैसीफायर के सभी घटक, टीएफएल साइट तक पहुंच गए। सिंगापुर से 2000 टन मेगा क्रेन के आगमन के साथ गैसीफायर लगाने के कार्य के मार्च, 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 184128.48 करोड़ रुपए के कुल उपलब्ध बजट अनुमान और भारत की आकस्मिकता निधि की तुलना में दिसम्बर, 2023 के दौरान उर्वरक राजसहायता के प्रशासन पर 15275.23 करोड़ रुपये (यूरिया: 15271.82 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.12 करोड़ रुपये, डीबीटी 0.20 करोड़ रु., तथा पूँजीगत व्यय 0.09 करोड़ रु.) का व्यय हुआ। अप्रैल 2023 से दिसम्बर 2023 के दौरान 151298.32 रु करोड़ रुपये (यूरिया: 102259.29 करोड़ रुपये और पीएंडके: 49004.12 करोड़ रुपये, स्थापना 31.21 करोड़ रुपए डीबीटी 2.43 करोड़ रु. तथा पूँजीगत व्यय 1.27 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन के लगभग 82.17% का क्रमिक व्यय हुआ।